पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-डी.एल. (एन.)/084/2012-14 प्रकाशित: 16.6.2013 इस अंक का मूल्य 2 रुपये

।। ओ३म् ।।

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

जम्मु युवक शिविर का

भव्य समापन समारोह

रविवार, 30 जून 2013, प्रात: 10 बजे

स्थान: आर्य समाज, जानिपुरा, जम्मु

आप सादर आमंत्रित है

-सुभाष आर्य, संयोजक

वर्ष-30 अंक-02 आषाढ़-2070 दयानन्दाब्द 190 16 जून से 30 जून 2013 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.6.2013, E-mail : aryayouth@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का राष्ट्रीय युवक शिविर सौल्लास सम्पन्न

चरित्रवान आर्य युवा ही देश को बदलेंगे- शिक्षाविद् डा.अशोक कुमार चौहान

सांसद तरूण विजय एवं डॉ. अशोक कुमार चौहान के अभिनन्दन का दृश्य। साथ में डॉ. महेश शर्मा, विधायक, श्री आनन्द चौहान व डॉ. अनिल आर्य

नोएडा । रविवार, 16 जून 2013, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्,नई दिल्ली के तत्वावधान में गत् 8 जून से ऐमिटी विश्वविद्यालय,सैक्टर-125, नोएडा में चल रहे ''आर्य युवक चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास शिविर'' का भव्य समापन हो गया । शिविर में 270 किशोर व युवकों ने प्रात: 4 बजे से रात्री 10 बजे तक अनुशासित दिनचर्या में रहकर नैतिक शिक्षा, योगासन, दण्ड-बैठक, लाठी, तलवार, जूडो-कराटे, बाक्सिंग, स्तूप, डम्बल, लेजियम, सन्ध्या-यज्ञ, भाषणकला, नेतृत्व कला, देश भक्ति की भावना, भारतीय संस्कृति की महानता पर शिक्षकों व विद्वानों से बौद्धिक व शारीरिक प्रशिक्षण प्राप्त किये।

समारोह अध्यक्ष डा.अशोक कुमार चौहान (संस्थापक अध्यक्ष,ऐमिटी शिक्षण संस्थान) ने कहा कि चरित्रवान आर्य युवा ही देश व विश्व को बदल सकते हैं । देश के उत्थान व प्रगति में चरित्र निर्माण शिविरों का अपना विशेष महत्व है, इन युवकों ने ही देश को बदलने में व विश्व के अग्रणी देशों में भारत का स्थान बनाने में उल्लेखनीय भूमिका निभानी है । मैंने यहां आकर के बच्चों में देखा कि उनमें देश भक्ति, मानवता के प्रति प्रेम व इस समाज को एक अच्छा समाज बनाने की प्रेरणा काम कर रही है, इसके लिए मैं डा.अनिल आर्य व उनकी पूरी टीम को हार्दिक बधाई देता हूँ। आज राष्ट्र विषम परिस्थितियों से जूझ रहा है ऐसे समय में यह युवक सुयोग्य नागरिक बन कर आदर्श समाज की संरचना का कार्य करेंगे।

परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने कहा कि चरित्रवान युवक ही राष्ट्र की अमूल्य सम्पति हैं, यह युवक समाज में जाकर राष्ट्रीय एकता व अखण्डता के लिए कार्य करेंगे,उन्होंने युवकों से जातिवाद व प्रान्तवाद से ऊपर उठकर समाज को जोड़ कर सामाजिक समरसता के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि सांसद श्री तरूण विजय ने कहा कि शिविर में प्रशिक्षित युवकों को अब समाज में व्यापत अन्धविश्वास, पाखण्ड व सामाजिक कुरीतियों को मिटा कर एक अच्छे समाज की संरचना का कार्य करना है । उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द समग्र क्रान्ति के अग्रदूत थे उनके स्वपनों के भारत का निर्माण युवा पीढ़ी को ही करना है, संस्कारवान युवा ही देश में आमूल चूल परिवर्तन ला सकते हैं उन्हीं के कन्धों पर देश का भविष्य टिका हुआ है।

विधायक डा.महेश शर्मा ने कहा कि महर्षि दयानन्द ने जो सामाजिक क्रान्ति का स्वपन देखा था वह इन युवकों को पूरा करना है । आर्य समाज के समाजोत्थान, देशोत्थान के कार्य को राष्ट्र सदैव स्मरण रखेगा ।

विशिष्ट अतिथि आर्य नेत्री श्रीमती सुषमा सर्राफ, श्री आनन्द चौहान, श्री मायाप्रकाश त्यागी, डा.वीरपाल विद्यालंकार, श्री दर्शन अग्निहोत्री, श्री अजीत चौहान, श्री अमोल चौहान व श्री सुधीर सिंघल ने भी अपनी शुभकामनायें प्रदान की। आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ करवाया । आचार्य भानुप्रकाश शास्त्री(बरेली) के मधुर भजन हुए । प्रधान शिक्षक योगेन्द्र शास्त्री,बिजेन्द्र आर्य,सौरभ गुप्ता व दुर्गाप्रसाद के निर्देशन में युवको के भव्य व आकर्षक व्यायाम प्रदर्शन के कार्यक्रम की सभी ने मुक्त कंठ से सराहना की।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

शिविर समापन पर योगासन व कमाण्डो का प्रदर्शन करते आर्य युवक

हिन्दू ध्यान दें

-कृष्ण चन्द्र गर्ग

1. वेदों की झूठी निन्दा – हिन्दू बिना पढ़े, बिना जाने वेदों पर मांसाहार, सुरापान, गोहत्या आदि के झूठे आरोप लगाते हैं। वेदों में ऐसी अनर्गल बातें नहीं हैं। वेदों में गाय आदि गुणकारी पशुओं की रक्षा के आदेश हैं, मदिरापान व मांसाहार आदि का निषेध है। वेद ईश्वरीय ज्ञान है जो मानवमात्र के कल्याण के लिए है। वेदों में सभी मनुष्यों के लिए उत्तम-उत्तम उपदेश हैं, जन्म से मरण तक मनुष्यों को जीने का सही-सही ढंग बताया गया है।

2. श्री कृष्ण जी पर झूठे लांछन – महाभारत में श्री कृष्ण जी का जीवन बड़ा पवित्र बताया गया है। उन्होंने जन्म से मरण तक कोई भी बुरा काम किया हो ऐसा नहीं लिखा। परन्तु भागवत पुराण, ब्रह्मवैवर्त्त पुराण आदि में श्री कृष्ण जी पर दूध, दही, मक्खन आदि की चोरी, कुब्जा दासी से सम्भोग, परस्त्रियों से रासलीला, क्रीड़ा आदि झूठे दोष लगाए हैं। गोपाल सहस्रनाम में श्री कृष्ण जी को चौरजारशिखामणि तक का तमगा दिया गया है जिसका अर्थ है चोरों और जारों का सरदार। ऐसी बातों को पढ़-पढ़ा, सुन-सुना के दूसरे मत वाले श्री कृष्ण जी की बहुत सी निन्दा करते हैं और हिन्दुओं का मज़ाक उड़ाते हैं।
हिन्दू श्री कृष्ण जी के महाभारत में वर्णित पवित्र जीवन चरित्र को क्यों नहीं अपनाते। वे सुदर्शनचक्रधारी, योगेश्वर, नीतिनिपुन, पाण्डवों को युद्ध में विजय दिलाने वाले, कंस, जरासंध जैसे दुष्ट पापाचारी राजाओं का वध करने वाले थे। वे एक पत्नीव्रती थे, उनकी पत्नी थी रुकमणी। भागवत आदि पुराण महर्षि वेदव्यास की रचना नहीं हैं। ये बहुत बाद में बनाए गए ग्रन्थ हैं जो दुष्ट प्रवृति वाले लोगों ने रचे हैं। महर्षि वेदव्यास तो बहुत बड़े विद्वान, धार्मिक, सदाचारी और परोपकारी पुरुष थे।

3. धर्मस्थान या बूचड़खाने – हिन्दुओं के कुछ मन्दिरों में शराब, मुर्गे और बकरे चढ़ाए जाते हैं तथा देवियों को प्रसन्न करने के लिए बकरे व भैंसे तक काटे जाते हैं। ऐसी स्थिति में इन मन्दिरों और बूचड़खानों में क्या अन्तर रह गया है। हिन्दुओं को विचार करना चाहिए और ऐसे कुकर्मों को छोड़ देना चाहिए।

4. पाप कर्म को बढ़ावा – हिन्दू मानते हैं कि कुछ नदियों और तालाबों में नहाने से पाप छूट जाते हैं। इसका अर्थ है कि अपनी आम जिन्दगी में बेइमानी, बेइनसाफी आदि पाप कर्म करते रहो और बाद में गंगा आदि नदी में डुबकी लगालो तो उन पापकर्मों का बुरा फल न मिलेगा। यह कोरी अज्ञानता और अन्धविश्वास है। इस मानसिकता से पापकर्मों को बढ़ावा मिलता है। वास्तविक्ता तो यह है कि प्रत्येक मनुष्य को उसके अपने किए अच्छे बुरे कर्मों का फल अवश्यमेव भोगना पड़ता है। उनका फल भोगे बिना उन कार्यों से छुटकारा नहीं मिल सकता। यही ईश्वर की निष्पक्ष न्याय व्यवस्था है। उसके आगे किसी की सिफारिश या रिश्वत नहीं चलती।

5. शिवलिंग पूजा – शिव पुराण के अनुसार यह शिव और उसकी पत्नी के गुप्त अंगों की पूजा है। यह एक निरर्थक और घृणित कार्य है जो किसी भी सभ्य समाज में निंदित माना जाएगा। हिन्दुओं को इसे तुरन्त छोड़ देना चाहिए।

6. शिव के नाम पर भांग आदि पीना – शिवरात्रि वाले दिन बहुत से हिन्दू शिव के नाम पर गांजा, भांग, चरस आदि खाते पीते हैं। शिव नाम ईश्वर का है, क्योंकि वह सबका भला करता है। भांग पीने वाले किसी व्यक्ति का नाम भी शिव हो सकता है। इन नशीले पदार्थों के सेवन को धर्म से जोड़ना गलत है। नशीले पदार्थों का सेवन तो बुद्धि का, शरीर का और धन का नाश ही करता है। इसलिए इन से बचना ही समझदारी है। धर्म तो जीवन में पवित्रता और सात्विकता धारण करने का नाम है।

7. मन्दिरों में अश्लील मूर्तियां – खजुराहो, जगन्नाथपुरी के कोनार्क के मन्दिर, काशी में नैपाल महाराज का मन्दिर, मथुरा में गौकर्ण मन्दिर आदि हिन्दुओं के मन्दिरों में अश्लील मूर्तियां बनी हैं जिन्हें आम लोग देख सकते हैं। उन्हें देखकर बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ता है तथा धर्म के प्रति लोगों की क्या धारणा बनती है, इस विषय पर भी हिन्दुओं को विचार करना चाहिए।

831 सैक्टर 10, पंचकूला, हरियाणा ,0172—4010679

सोनीपत में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का बालिका शिविर सम्पन्न

सोमवार, 3 जून 2013, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् सोनीपत के तत्वावधान में जैन विद्या मन्दिर, सोनीपत में बालिका शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. अनिल आर्य मुख्य अतिथि ने ओ३म ध्वज फहराया। श्री देवेन्द्र जैन से आभार व्यक्त किया। श्री मनोहर लाल चावला, श्री हरिचन्द सैनी, डॉ. वरूण शर्मा, श्री रणधीर सिंह धूल, श्री बिरेन्द्र योगाचार्य आदि ने सुचारू रूप से शिविर प्रबन्ध किया। समापन पर विधायक श्रीमती कविता जैन, श्री राम कुमार सिंह, श्री सन्तोष शास्त्री, श्री हीरा प्रसाद शास्त्री आदि उद्बोधन दिया।

(पृष्ठ 1 का शेष)

इस अवसर पर आर्य नेता जितेन्द्र डावर,राजेश मेहन्दीरता,गायत्री मीना,प्रवीन आर्य,रचना आहूजा,उर्मिला आर्या,यशोवीर आर्य,रामकुमारसिंह,सुरेश आर्य,अजय पथिक,सन्तोष शास्त्री,कै.अशोक गुलाटी,रवि चड्डा,सी.एल.मोहन,अमीरचन्द रखेजा,मेजर जनरल कु.जयसिह,जनरल अनिल लाम्बा, श्रीमती छाया,अमरनाथ बत्रा,मनोहरलाल चावला,सुरेन्द्र शास्त्री,राजीव आर्य,सुरेन्द्र गुप्ता,मायाराम शास्त्री,प्रवीन आर्या,यज्ञवीर चौहान,वेदप्रकाश आर्य,मुकेश सुधीर,संजीव मंगला,विश्वीरेन्द्र योगाचार्य,स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती,हर्ष बवेजा,गवेन्द्र शास्त्री प्रमुख रूप से उपस्थित थे। शिविर में सर्वप्रथम शिविरार्थी प्रवीन कुमार(जीन्द),सर्वद्वितीय राकेश कुमार(आनन्द विहार),सर्वतृतीय सुविज्ञ आर्य(महावीर नगर) रहे, भाषण प्रतियोगिता में देवव्रत चौहान-प्रथम,सुविज्ञ आर्य-द्वितीय,सूरज कुमार मोर्य-तुतीय रहे, लेख प्रतियोगिता में पिन्टु कुमार सिहानी-प्रथम, ललित कुमार-द्वितीय,नीरज-तुतीय रहे, योगासन में-सन्नी,कराटे में-इरफान, दण्ड बैठक में -ऋषि अग्रवाल,डम्बल में-अभिनव,लेजियम में-सुनील,सर्वागसुन्दर व्यायाम में-चेतन,बाक्सिंग में-जितेन्द्र,स्तूप में-मोहम्मद तनवीर, ऐरोबिक्स में-निषाद खान, लाठी मे-आदित्य,अनुशासन में-प्रखरादित्य यादव,बौद्विक में-सूरज, कमांडो में-माधव सिंह,भाला में-अमित सर्वश्रेष्ठ पुरस्कृत किये गये। नये सहशिक्षक-आकाश कुमार,गौरव गुप्ता,पिन्टु आर्य,अनुज कुमार मनोनीत किये गये। समारोह में दिल्ली, नोएडा, फरीदाबाद, सोनीपत, गाजियाबाद से भारी संख्या में आर्य जनों ने पधार कर युवा शक्ति का उत्साह वर्धन किया व ऋषि लंगर का आनन्द लेकर नये उत्साह के साथ घरों को लौटे। सभी दान दाताओं, सहयोगियों एवं कार्यकत्ताओं का हम आभार व्यक्त करतें है।

आर्य समाजों के चुनाव समाचार

1. आर्य समाज, राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली के चुनाव में प्रधान-श्री अशोक सहगल, मंत्री-सतीश चन्द्र मेहता, वरिष्ठ मंत्री-नरेन्द्र वलेचा व कोषाध्यक्ष श्री सतीश कुमार चुने गये।
2. आर्य समाज, टैगोर गार्डन विस्तार, नई दिल्ली के चुनाव में श्री अशोक आर्य-प्रधान, श्री लाजपतराय आहूजा-मंत्री व श्री रमेश आर्य-कोषाध्यक्ष चुने गये।
3. आर्य समाज, भोगल, जंगपुरा, दिल्ली के चुनाव में डा.जे.पी. गुप्ता-प्रधान, श्री अविनाशचन्द धीर-मंत्री व श्री श्रवण कुमार वलेचा कोषाध्यक्ष चुने गये।
2. आर्य समाज, सुन्दर विहार, दिल्ली के चुनाव में श्री कंवरभान क्षेत्रपाल-प्रधान, श्री अमरनाथ बत्रा-मंत्री व श्री प्रहलाद सिंह कोषाध्यक्ष चुने गये। हार्दिक बधाई ।

आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का भव्य उद्घाटन

चरित्रवान युवा ही राष्ट्रीय कर्तव्य का पालन कर सकते हैं –डा.योगानन्द शास्त्री (अध्यक्ष,दिल्ली विधान सभा)

नोएडा। रविवार, 9 जून 2013, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, नई दिल्ली के तत्वावधान में आठ दिवसीय ''आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर'' का ऐमिटी विश्वविद्यालय, सैक्टर-125, नोएडा में शुभारम्भ हो गया।

समारोह के मुख्य अतिथि दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष डा.योगानन्द शास्त्री ने कहा कि संस्कारवान व्यक्ति ही राष्ट्र का आधार स्तम्भ होते है,जो आने वाली पीढ़ी को सही मार्ग दिखाते रहते हैं। समाज ऐसे ही कर्मशील व्यक्तियों का अनुसरण करके अपना मार्ग तय करता है तथा चरित्रवान व्यक्ति ही राष्ट्रीय कर्तव्यों का भली प्रकार से पालन कर सकता है। बिना संस्कारों के व्यक्ति ऐसा है जैसे आत्मा विहीन शरीर। डा.योगानन्द शास्त्री ने कहा कि आज नैतिक मूल्यों का निरन्तर ह्रास हो रहा है, चारित्रिक पतन होता जा रहा है,परिवार टूटते जा रहे हैं क्योकि समाज का आधार सामाजिक, सांस्कृतिक मूल्य ही आज समाप्त होते जा रहे है ऐसे समय में ऐसे चरित्र निर्माण शिविरों का आयोजन वास्तव में एक आशा की किरण के समान है जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा करेगा।

शिविर संचालक केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने कहा कि आज समाज के सामने चारित्रिक पतन, कन्या भ्रूण हत्या, जातिवाद, आंतकवाद, प्रदूषण आदि अनेकों समस्याऐं मुंह बांये खड़ी हैं उसका निराकरण महर्षि दयानन्द के अनुयायियों को आगे आ कर करना है और चरित्रवान युवा ही चरित्रवान समाज की संरचना का कार्य करेंगे।

समारोह के अध्यक्ष शिक्षाविद् श्री अजय चौहान ने कहा कि आर्य समाज की राष्ट्र निर्माण में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका रही है आज फिर से देश की भावी युवा पीढ़ी को तैयार करने का जो कार्य परिषद् ने लिया है उसे और अधिक संख्या में स्थान स्थान पर बढ़ाने की आवश्यकता है। ऐमिटी शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री आनन्द चौहान ने कहा कि स्कूली शिक्षा के साथ साथ व्यवहारिक ज्ञान भी अत्यन्त आवश्यक है यहां बच्चों का सर्वागीण विकास होगा वह जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ेगे। आर्य उपप्रतिनिधि सभा गाजियाबाद के प्रधान श्री मायाप्रकाश त्यागी ने कहा कि महर्षि दयानन्द की शिक्षाओं पर चल कर ही समाज में सच्ची शान्ति हो सकती है। कार्यक्रम का शुभारम्भ आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ करवा कर किया तथा इस अवसर पर आर्य नेता रविन्द्र मेहता, रामलुभाया महाजन, डा.आर.के.आर्य, राकेश भार्गव आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

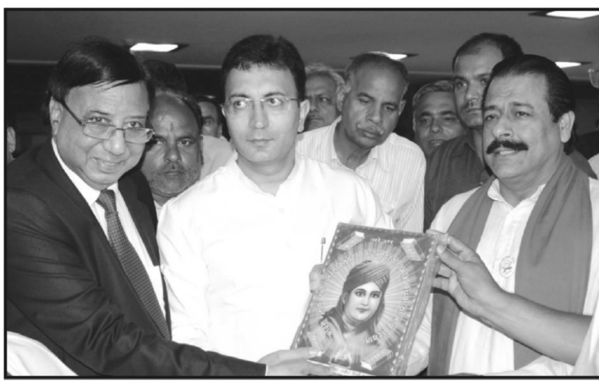

केन्द्रीय मानव संसाधन राज्य मन्त्री श्री जतिन प्रसाद का स्वागत करते डॉ. अशोक चौहान व डॉ. अनिल आर्य। द्वितीय चित्र में आर्य युवकों का सामुहिक चित्र।

उद्घाटन समारोह में डॉ. योगानन्द शास्त्री दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का उद्घाटन करते हुए। द्वितीय चित्र में शिविर समापन पर शातुप बनाते आर्य युवक।

शिविर समापन पर ऐमिटी सभागार का सुन्दर दृश्य

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का 35वां स्थापना दिवस सौल्लास सम्पन्न

रविवार, 3 जून 2013, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का 35वां स्थापना दिवस आर्य समाज मन्दिर, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007 में सौल्लास सम्पन्न। श्री आनन्द चौहान जी (निर्देशक ऐमिटी शिक्षण संस्थान) मुख्य अतिथि रहें एवम् डॉ. ओम प्रकाश ने अध्यक्षता की। परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य ने परिषद् का सर्वनिम इतिहास बताते हुए निरन्तर आगे बढ़ने का आह्वान किया। श्री महेन्द्र भाई ने संचालन किया।

पलवल में युवक चरित्र निर्माण शिविर सम्पन्न

रविवार 16 जून 2013, आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'आर्य युवक निर्माण शिविर' डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, श्रद्धानन्द नगर, पलवल में सम्पन्न हो गया। इस अवसर पर स्वामी श्रद्धानन्द जी, डॉ. अनिल आर्य, स्वामी आर्यवेश जी, श्री के.एल. खुराना, डॉ. धर्मप्रकाश जी एवम सामने सभागार का दृश्य।

आर्य समाज मौलड बंद विस्तार, नई दिल्ली का उत्सव सम्पन्न

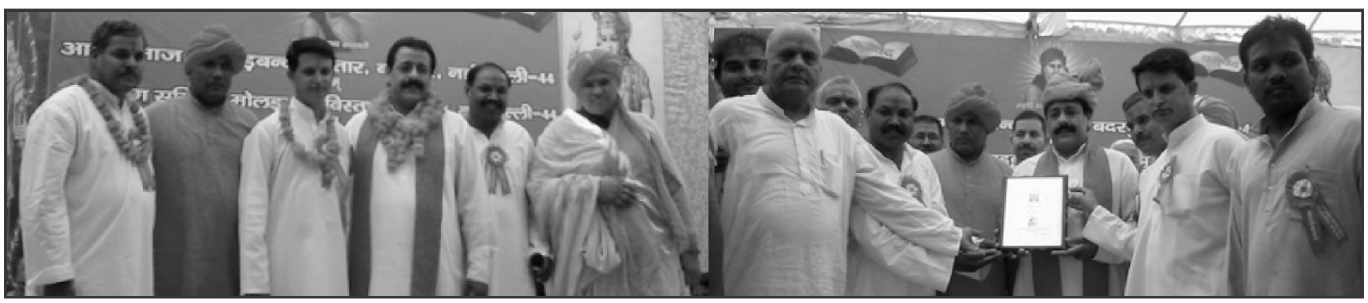

2 जून 2013, आर्य समाज मौलड बंद विस्तार बदरपुर का वार्षिकोत्सव सौल्लास सम्पन्न हुआ। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य मुख्य अतिथि रहें। श्री सुशील आर्य, प्रधान एवम् मन्त्री श्री श्याम सिंह यादव ने संचालन किया। बहन पुष्पा शास्त्री के उजस्वी भजन हुए।

ऐमिटी आर्य युवक शिविर की झलकियां

माता सुषमा सर्राफ के अभिन्दन का दृश्य एवम् सामने आर्य युवक।

भूल सुधार

युवा उद्घोष के गत अंक में पृष्ठ न. 4 पर श्री आशीष आर्य को बधाई में ''सेशन जज'' छप गया था, कृप्या उसे ''सिविल जज'' पढ़ा जाये।

धन्यवाद – सम्पादक

शोक समाचार: विनम्र श्रद्धांजलि

1. डी.ए.वी.प्रबन्धकर्त्री सभा, नई दिल्ली के उपप्रधान श्री विश्वनाथ जी का गत दिनों निधन हो गया।
2. आर्य समाज, दिलशाद गार्डन, दिल्ली के श्री केशवनन्द शर्मा जी की धर्मपत्नी का गत दिनों निधन हो गया।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548504 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक :** दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970